TROU
S
F
ARR
•PUNCH
•WAZIF
•JANAI
•NOIDA
•LAJPAT

READ

ECO-FRIENDLY ROUTE FOR CITY CAMPUSES

Varsities across Delhi have taken the lead in shunning single-use plastic by adopting various measures

Henna Rakheja

Addressing the nation from the ramparts of the Red Fort on the 73rd Independence Day, when PM Narendra Modi gave a clarion call to shun single-use plastic, it gave the countrymen just the needed boost to think about the environment. Acting on the same, in an attempt to discourage single-use plastic, college/university campuses in Delhi have taken the lead in becoming eco-friendly.

IN SEARCH OF ALTERNATIVES

At Jamia Millia Islamia (JMI), eco-friendly seems to be a way of life. The varsity had earlier installed solar panels, and is progressively inching towards adopting other possible means to become environment conscious. Professor Najma Akhtar, vice chancellor, JMI, says, "The university has been trying for the past two years to ban plastic use, and now each department and office has been notified not to use plastic publicly or privately. Also, a list of plastic items not to be used has been circulated, so that nobody is under the wrong impression. We started the ban on its use from October 2 as a mark of respect to Mahatma Gandhi, who emphasised on cleanliness and preservation of environment. He wanted India to be free from all kinds of evils... We will encourage students to come up with new ideas and suggestions."

PLASTIC-FREE IGNOU

The South Delhi Municipal Corporation (SDMC) recently declared the Indira Gandhi National Open University (IGNOU) campus in Maidan

institute in the city. Around 150 PhD students, faculty and other staff members recently took a pledge to not to use single-use plastic and also to discourage others from doing so. IGNOU, has, in fact, signed an MoU with SDMC to keep plastics such as polythene bags less than 50 microns, thermocol plates and cups, plastic spoons and straws, away from the campus.

DU'S COOL CAUSES

At PGDAV College, a poster-making competition was recently organised on the theme of single-use plastic. Sakshi Verma, convenor of Satark — the Consumer Club Of PGDAV College (Morning) — says, "If we are able to find a group that disposes plastic responsibly, then we can also make arrangements to collect plastic like we collect e-waste in our campus; the e-waste box we have is such a success that at times faculty members even bring electronic waste such as printers etc to college so that they can be collected as part of this initiative." In DU's Sri Aurobindo College (Morning), the Internal Quality Assurance Cell has taken initiatives to ensure a plastic-free zone. The college has also limited the use of non-biodegradable materials in the premises, including its canteen that either uses utensils made of stainless steel or paper plates that are eco-friendly and biodegradable.

PHOTO: ISTOCK

Jamia Hamdard University has discontinued plastic in its canteens. Below: E-waste boxes at DU's PGDAV College (Morning)

प्रतियोगिता से जागरूकता

पीजीडीएवी कॉलेज में हाल ही में एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक की थीम पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। पीजीडीएवी कॉलेज (मॉर्निंग) में 'सतर्क' की संयोजक साक्षी वर्मा का कहना है, 'यदि हम एक ऐसे समूह को खोज सकें, जो प्लास्टिक को खत्म करने में सक्षम है, तो हम भी प्लास्टिक इकट्ठा करने की व्यवस्था कर सकते हैं। जैसे हम अपने ई-कचरे को इकट्ठा करते हैं।

डीयू के श्री अरबिंदो कॉलेज (मॉर्निंग) के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल ने कैंपस को प्लास्टिक फ्री जोन बनाने का फैसला किया है। कॉलेज ने परिसर में गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्रियों के उपयोग को भी सीमित कर दिया है, जिसमें उनकी कैंटीन भी शामिल है, जो या तो स्टेनलेस स्टील या पेपर प्लेटों से बने बर्तनों का उपयोग करती है। ये पर्यावरण के अनुकूल हैं।

हिना रखेजा

पर्यावरण बचे तो प्राण बचे

दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण एक गंभीर समस्या बनकर उभरा है। सरकार और उसकी विभिन्न एजेंसियां पर्यावरण की बेहतरी के उपाय करते हुए प्रदूषण के नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठा रही हैं। सरकार के साथ-साथ युवा भी भारी संख्या में प्रदूषण को मात देने और पर्यावरण को बेहतर बनाने के प्रयास में लगे हुए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज के इको क्लब में शामिल छात्र और शिक्षक बड़ी तन्मयता के साथ कुछ ऐसे ही प्रयासों को अंजाम दे रहे हैं। —रिपोर्ट : अंकित कुमार, फोटो : श्रीकांत सिंह

कॉलेज में लगा है कम्पोजिट पिट

पीजीडीएवी कॉलेज में एक कम्पोजिट पिट लगा हुआ है। किचन और अन्य ग्रीन वेस्ट इसमें डाला जाता है। इससे जैविक खाद बनायी जाती है जो कॉलेज के पेड़-पौधों में लगायी जाती है। छात्र खाद बनाने की पूरी प्रक्रिया को विजिट करते हैं। इस दौरान छात्रों को जैविक खाद के फायदे भी बताये जाते हैं।

युवा कर रहे काम

कॉलेज के इको क्लब [illegible] की संयोजक [illegible] बताती हैं कि इसमें 50 से लेकर 100 बच्चे शामिल हैं। प्रति सेमेस्टर का आंकड़ा 100 पार है जबकि इसमें 10-12 कोर टीम सदस्य हैं। पर्यावरण को लेकर सभी विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी करते हैं जो यहां संचालित करायी जाती हैं। [illegible]

विचार की है अलख

पर्यावरण विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ नीरज कुमार ने बताया कि आज प्रदूषण सभी की चिंता का विषय बना हुआ है। सभी छात्र इस मुद्दे पर विचार करना और उन विचारों को क्रियान्वित किया जाना प्राथमिकता का विषय है। इसके अलावा इको क्लब के छात्र साफ-सफाई, वर्षा जल-संचयन, पेड़ों की सिंचाई, वनस्पति और पशुओं के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाते हैं।

प्रदूषण हो नियंत्रित

इको क्लब के सदस्य डॉ प्रदीप सिंह बताते हैं कि इस कॉलेज में एयर क्वालिटी मीटर लगा हुआ है। हम छात्रों को इस मीटर के माध्यम से प्रदूषण की वर्तमान स्थिति और प्रदूषण नियंत्रण के उपायों के बारे में जानकारी देते हैं। इको क्लब के छात्रों को इसकी विजिट करायी जाती है।

1 इको क्लब के छात्रों ने जगायी पर्यावरण के प्रति अलख

2 पर्यावरण संबंधी मामलों को लेकर शुरू की कई मुहिम

कूड़े-कचरे का निस्तारण बेहतर तरीके से किया जाना चाहिए। जैविक और अजैविक कचरे की छंटाई पहले स्तर पर ही करनी चाहिए। फिर कचरे को रि-साइकिलिंग के लिए भेजना चाहिए। -ज्योति, मैथ्स (ऑनर्स), तृतीय वर्ष

क्या कहा युवाओं ने

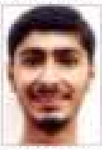

युवाओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना बहुत जरूरी है। प्रदूषण जैसे मुद्दे पर हमें कॉलेज से बाहर निकलकर सोसाइटी में भी काम करना चाहिए। इससे आम लोगों में भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलेगी। -अंशुमान, मैथ्स ऑनर्स तृतीय वर्ष

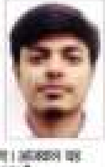

युवाओं में देश को प्रभावित करने की क्षमता होती है। अन्य लोग भी उनका अनुसरण करते हैं। प्रदूषण जैसे मुद्दे पर हमें [illegible] सोसाइटी में जागरूकता फैलानी चाहिए। आजकल यह मुद्दा काफी अहम है। -नमन गुप्ता, बीए प्रोग्राम तृतीय वर्ष

राजधानी में प्रदूषण की जो स्थिति है उसे देखते हुए हमें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार इको फ्रेंडली पटाखों का इस्तेमाल करना चाहिए। [illegible] तभी दुनिया में इसका अनुसरण करेंगे। -अंकिता सिंह, बीए हिंदी ऑनर्स

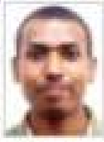

प्रदूषण के खिलाफ सरकार और अन्य एजेंसियों ने जो मुहिम शुरू की है, उसमें आम लोगों की भागीदारी बेहद जरूरी है। युवा इस जागरूकता को फैलाने में बड़ा काम कर सकते हैं। -प्रवीण, बीए (ऑनर्स), पीजीडीएवी सांध्य

मौकों का सदुपयोग करें युवा : कोविंद

डीयू के पीजीडीएवी कॉलेज की 60वीं वर्षगांठ में पहुंचे राष्ट्रपति

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली।

डीयू के पीजीडीएवी कॉलेज ने रविवार को अपनी 60वीं वर्षगांठ मनाई। कार्यक्रम में कॉलेज के पूर्व छात्र व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पीजीडीएवी ज्ञान की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व कर रहा है। कोविंद ने युवाओं को अवसरों के सदुपयोग की भी सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि देश में स्किल इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया व मेक इन इंडिया जैसे कई कार्यक्रम चल रहे हैं। इसके जरिये युवाओं को कई अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। जरूरत है कि युवा इनका उपयोग करें।

उन्होंने कहा कि इस महान संस्था का पूर्व छात्र होने के नाते मैं इसका सदस्य हूं। यह संस्थान 19वीं शताब्दी में शुरू हुआ और आज 21वीं शताब्दी में ज्ञान की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व कर रहा है।

डीयू के पीजीडीएवी कॉलेज ने रविवार को अपनी 60वीं वर्षगांठ मनाई। इसमें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी पहुंचे।

इस मौके पर डीयू के कुलपति प्रो. योगेश त्यागी ने पीजीडीएवी को शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान निभाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं की भूमिका केवल खुद को शिक्षित करने तक ही सीमित नहीं है। वे पर्यावरण और सामाजिक मूल्यों के उत्थान के लिए भी काम करें।

कार्यक्रम | नेहरू नगर स्थित पीजीडीएवी कॉलेज में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे राष्ट्रपति

कौशल के जरिये स्वरोजगार करें युवा : कोविंद

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली : केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया के प्रति जागरूक होकर युवा अपना भविष्य बेहतर कर सकते हैं। आज के समय में जरूरी नहीं है कि युवा केवल नौकरी करें बल्कि देश को जरूरत है कि वे अपनी कौशल के जरिये स्वरोजगार करें। इससे देश को नए आयाम, नई कला और नये अवसर प्राप्त होंगे। उक्त बातें रविवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नेहरू नगर स्थित पीजीडीएवी कॉलेज के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहीं। कॉलेज की ओर से हीरक जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

राष्ट्रपति ने कहा कि मैं भी डीएवी शैक्षणिक संस्थान का विद्यार्थी रहा हूं। 19वीं शताब्दी में शुरू हुआ यह संस्थान आज 21वीं शताब्दी में पहुंच गया है, यहां से पढ़े विद्यार्थी हर क्षेत्र में नाम रोशन कर रहे हैं। इस मौके पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश त्यागी ने कहा कि आज के युवाओं की भूमिका केवल खुद को शिक्षित करने तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जरूरत है कि वह पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक मूल्यों के उत्थान के लिए भी कार्य करें। वहीं, प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. सतीश शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे अविकसित क्षेत्रों में डीएवी संगठन ने विभिन्न शैक्षिक पहल करके शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है।

कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश अग्रवाल ने कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा की जा रहीं विभिन्न गतिविधियों से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पूर्व से लेकर अभी तक कई विद्यार्थियों ने अपने हुनर और लगन से इस कॉलेज का मान बढ़ाया है। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अवनिजेश अवस्थी ने किया।

पीजीडीएवी कॉलेज के 60वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को स्मृति चिह्न देते दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश त्यागी • DUT

विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने लिया बढ़चढ़ कर हिस्सा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के पीजीडीएवी कॉलेज स्थित नॉन कॉलेजिएट वुमंस एजुकेशन बोर्ड के केंद्र में एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें छात्राओं के लिए विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन पीजीडीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मुकेश अग्रवाल व केंद्र के संचालक डॉ. मनोज कुमार केन ने किया।

शिक्षा के साथ संस्कृति का मेल थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्राओं ने वाद-विवाद , पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन, कविता पाठ और प्रश्नोत्तरी, एकल नृत्य, समूह नृत्य, एकल गायन व समूह गायन जैसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

पीजीडीएवी में सांस्कृतिक कार्यक्रम

नई दिल्ली। डीयू के पीजीडीएवी कॉलेज के नॉन कॉलेजिएट विमेन्स एजुकेशन बोर्ड (एनसीवैब) के केंद्र ने एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें केंद्र की छात्राओं ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिक्षा के साथ संस्कृति का मेल इस आयोजन का केंद्रीय सरोकार था। इस दौरान वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन, कविता पाठ, एकल गायन, समूह गायन और प्रश्नोत्तरी जैसे सृजनात्मक कार्यक्रम हुए। विभिन्न कार्यक्रमों में छात्राओं ने काफी रचनात्मकता दिखाई। सांस्कृतिक आयोजन का उद्‍घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश अग्रवाल और केंद्र के संचालक डॉ. मनोज कुमार केन ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

नाम

जवाब हमारे...

को लेकर काफी सजग हैं,
वाब दे रहे हैं दाखिला विशेषज्ञ
ज के अध्यक्ष और अधिवक्ता

साल हो
ल फॉर्म
न किया

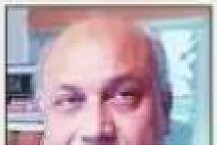

सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा सोमवार

मौसम

प्रयुक्ति @ नई दिल्ली

नया साल 2018 के पहले ही दिन राजधानीवासियों को कंपकंपाती सर्दी और घना कोहरा का सामना करना पड़ा। अधिकतम 20.1 तथा न्यूनतम 5.7 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ ही सोमवार का दिन सर्दी का सबसे ठंडा दिन रहा। यही

Varun Gandhi encourages PGDAV freshers to help in nation building

Kartik performing on a Ramdhari Singh Dinkar poem

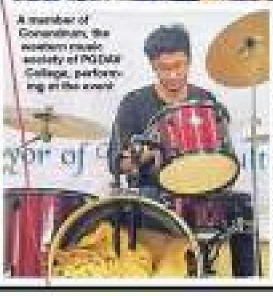

A member of Conundrum, the western music society of PGDAV College, performing at the event

Students Abhishek and Karishma performed a fusion to Shape Of You at the event

Varun Gandhi

Dr Mukesh Aggarwal, acting Principal, PGDAV College

A freshers' talent hunt, Exploresa 2017, was organised recently to give a platform to the freshers of PGDAV College to showcase their talents. First year students were invited to show off their talents on the stage. The event was inaugurated by politician Varun Gandhi, who gave a motivating speech to encourage students to strive hard and contribute in nation building.

TOGETHER, TOWARDS NATION BUILDING: VARUN GANDHI

At the event, Varun said, "In order to build the nation, citizens' participation must be encouraged, which can be done in three steps. Like Morocco, a petition system should be formed whereby people can assert their suggestions. Monitoring of government schemes should be done by citizens and the system should be made equal." He also stressed upon the importance of social entrepreneurship. He further added, "We live in an amazing age. Older generations didn't have internet and therefore had to struggle hard to get basic rights. Chipko movement took years to yield results, but last year in Bangalore brand rule of ... were saved because of WhatsApp. It is an unequal world, but it is becoming equal generation by generation."

> WE LIVE IN AN AMAZING AGE. OLDER GENERATIONS DIDN'T HAVE INTERNET AND THEREFORE HAD TO STRUGGLE HARD TO GET BASIC RIGHTS... IT IS AN UNEQUAL WORLD, BUT IT IS BECOMING EQUAL GENERATION BY GENERATION
>
> Varun Gandhi

TALENTED SENIORS TOO

Varun's address was followed by performances of the different cultural societies of the college. Raaga, the music society of PGDAV, performed a medley followed by solo performances by the group members. Students Karishma and Abhishek performed a fusion dance on the song Shape Of You.

Akanksha Singh, a BA second year student, said, "It was an amazing experience. We had a lot of fun while volunteering for the event. This year, Exploresa is being conducted at a larger scale. Last year our auditorium was under construction and therefore it wasn't this big. Even this time, the event was scheduled to be held in the college ground, but since it's war in, it was shifted to the auditorium at the last moment." The newly elected union of the college also took part in the event.

सुझाव | **डीयू के पीजीडीएवी कॉलेज में एक्सप्लोरेंजा 2017 कार्यक्रम का शुभारंभ**

देश में राइट टू रिकॉल की जरूरत : वरुण गांधी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पीजीडीएवी कॉलेज में शुक्रवार को नवनिर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा सांसद वरुण गांधी रहे। उन्होंने छात्रों को राइट टू रिकॉल का महत्व समझाया व कहा कि देश की कई समस्याओं का समाधान इसी में निहित है।

पीजीडीएवी कॉलेज में शुक्रवार को एक्सप्लोरेंजा 2017 कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा कि हमारी संसद अब नीति के केंद्र से राजनीति का केंद्र बन गई है। हम अपनी जागरूक सोच से संसद में पारदर्शिता ला सकते हैं।

नागरिक अधिकारों का अर्थ हर पांच साल में चुनावी बटन दबाना ही नहीं वरन देश की समस्याओं के प्रति जागरूक होना भी है। यदि सांसद या विधायक ठीक से काम नहीं करते हैं तो जनता को उन्हें वापस बुलाने का अधिकार मिलना चाहिए। राइट टू रिकॉल से ही देश की कई समस्याओं का समाधान संभव है। इससे नेताओं को अपनी जिम्मेदारी का अहसास होगा। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश अग्रवाल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके उत्तरदायित्व के निर्वहन की शपथ दिलाई। इस दौरान डॉ. ओपी अग्रवाल और डॉ. सुषमा चौधरी समेत कई प्रोफेसर मौजूद रहे।

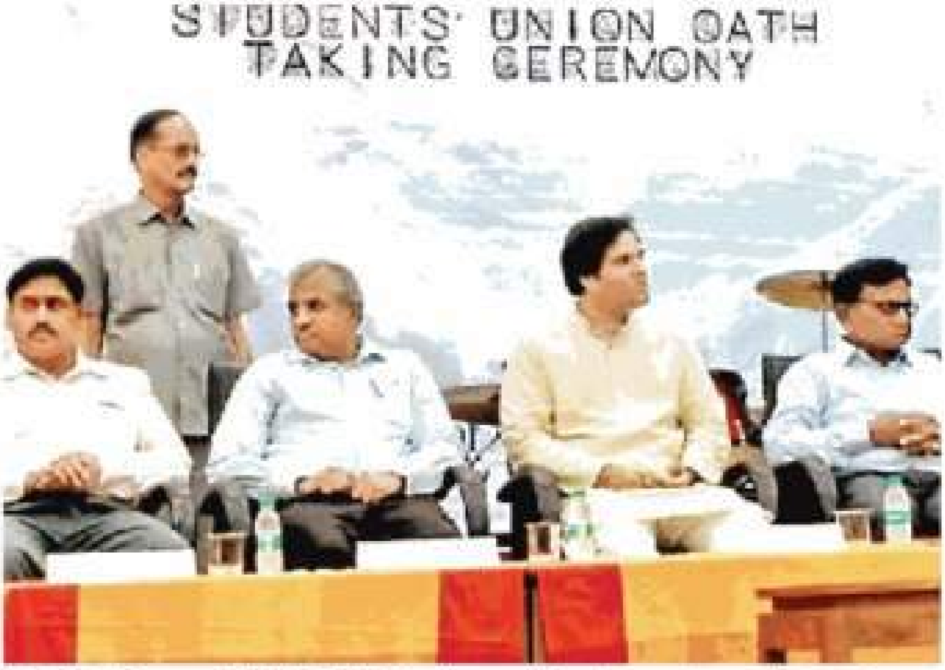

दिल्लीविश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज में एक्सप्लोरेंजा के शुभारंभ पर उपस्थित सांसद वरुण गांधी(बाएं से तीसरे) । ● जागरण

Geeta Phogat, Manveer Gurjar and Ravi Dubey visit DU

Fuchchas of PGDAV get a starry welcome

SELFIE TIME! Students from NCC click a picture with Ravi Dubey at PGDAV college

Geeta Phogat, Manveer Gurjar and Ravi Dubey with a student during their visit to PGDAV college

'MANVEER BHAIYA COLLEGE AAYE HAIN'

MUJHE APNE BAPU SE DAR LAGTA HAI: GEETA PHOGAT

'RAVI IS OUR FAVOURITE'

BEFORE GOING ON THIS SHOW, I DID NOT KNOW THAT I WAS ALSO AFRAID OF A FEW THINGS. YOU'LL GET TO KNOW ABOUT IT ONCE THE SHOW STARTS. HAAN, PAR MAIN APNE BAPU SE DARTI HOON, UNSE TOH SABKO HI DARR LAGTA HAI... ALSO WHEN I WRESTLE, I GAVE MY BEST TO AND I COMPETE TO WIN

– Geeta Phogat

FAN MOMENT: A student clicks a selfie with Manveer Gurjar

PGDAV student makes it to India's reality cooking show

Delhi University's final year BA student makes it to Masterchef India, India's popular reality cooking.

Updated: Oct 11, 2016 10:07 IST

By Henna Rakheja

19-year-old Delhi-boy Mirvaan Vinayak.

Mirvaan Vinayak, 19, is used to the spotlight, given that he actively participates in his college (PGDAV) dramas, but he has taken to the stage on a whole new level now. The final year BA student an entrants to one of India's most popular reality cooking shows, and has become

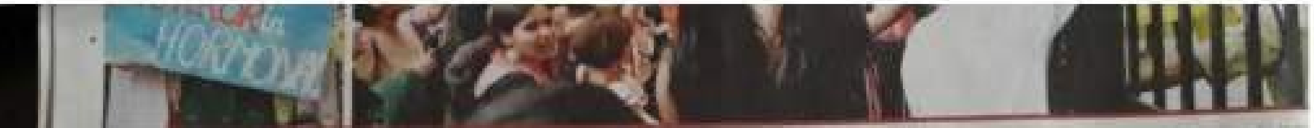

PGDAV gets a standing ovation for its staging of NSD play

'WE WALKED AROUND OUR CAMPUS IN SARIS TO GET COMFORTABLE'

'THE ROLE WAS WRITTEN FOR NASEERUDDIN SHAH AND PARESH RAWAL'

PERFORMANCE BEYOND COMPETITION

...कर रहा है। इसके जरिये छात्रों के कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है। न सिर्फ आर्ट्स बल्कि कॉमर्स व साइंस के छात्रों ... ने वोकेशनल विषय नहीं पढ़ा है और वो किसी भी वोकेशनल के कोर्स में दाखिला चाहता है तो ऐसा संभव होगा।

पीजीडीएवी में डीयू की सबसे बड़ी कैंटीन

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

डीयू के कॉलेज नए सत्र से छात्रों के तमाम सुविधाओं को पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। ऑफ कैंपस कॉलेज पीजी डीएवी कॉलेज में डीयू की सबसे बड़ी कैंटीन बनकर तैयार हो गई है। छात्र सुविधा ब्लॉक के ग्राउंड फ्लोर में बनी कैंटीन इसी सत्र से शुरू हो जाएगा।

4,000 स्क्वायर वर्ग फुट में बनी इस कैंटीन में शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों की सहायता के लिए रैम्प का निर्माण किया गया है। कॉलेज के प्रिंसिपल एस एम गोयल के मुताबिक कॉलेज की कैंटीन काफी छोटी थी। इसलिए नई कैंटीन का निर्माण किया गया। नई कैंटीन में 200 सौ से ज्यादा छात्र एक वक्त में बैठकर लंच कर सकेंगे।

अलग-अलग कॉमन रूम

छात्र सुविधा ब्लॉक के पहली मंजिल पर लड़के और लड़कियों के अलग-अलग कॉमन रूम बनाए गए हैं। कॉलेज प्रबंधन के मुताबिक पूरी बिल्डिंग बन कर तैयार है। नए सत्र की शुरुआत के साथ इसे छात्रों के लिए खोल दिया जाएगा। पीजी डीएवी कॉलेज में सीसीटीवी, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड और आरओ वॉटर की सुविधाएं पहले से ही मौजूद हैं। प्रिंसिपल गोयल के मुताबिक वह रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लागू करेंगे।

...आई. टी. आई. (ITI)